सत्संग में भाग लेने वाले साधकों के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश

1. अपना परिचय पत्र आश्रम परिसर में पहुंचने पर कार्यालय से तुरन्त बनवा लें और हर समय अपने पास रखें।
2. सत्संग स्थान पर आने के बाद मौन धारण करें।
3. अपने हृदय को परमात्मा की याद में डुबाये रखें।
4. हर काम शान्ति पूर्वक परमात्मा की याद में करें।
5. पण्डाल में ठीक समय से पहुंचकर सभी सत्संग कार्यक्रमों में भाग लें। अपने मोबाइल फोन बंद रखें।
6. अनावश्यक पीने का पानी बर्बाद न करें।
7. पण्डाल, शान्ति-पाठ कक्ष एवं समाधि परिसर में शांति का वातावरण बनाये रखें।
8. हर एक सत्संगी भाई और बहन अपने आप को मेहमान और मेजबान दोनों समझे एवं अपनी रुचि एवं स्वेच्छा अनुसार किसी भी विभाग में सेवा कार्य करें।
9. बिस्तर व प्रयोग का सामान जैसे माला, लोटा, टार्च, ऑडोमॉस, कोरी धोती-शान्ति पाठ के लिए (यदि संभव हो) अपने साथ लायें।
10. आश्रम की स्वच्छता एवं पवित्रता का ध्यान रखें तथा कूड़ा इधर-उधर न फैंकें।
11. अपने जूते व चप्पल अपने ठहरने के स्थल पर ही छोड़कर आएं।
12. शिशुओं और बच्चों को लेकर आन्तरिक सत्संग और सामूहिक शान्ति पाठ में न बैठें।
13. सत्संग साहित्य, त्रैमासिक पत्रिका 'सन्त-सुधा' तथा अभ्यास के सिद्धान्तों पर प्रवचनों की सी०डी० व डी०वी०डी० 'बुक-स्टॉल' से प्राप्त कर सकते हैं।

नि:शुल्क स्वास्थ्य परीक्षण शिविर :

दिनांक 18-20 अप्रैल, 2013 को सेंट बृजमोहनलाल अस्पताल, अनंगपुर आश्रम में इस शिविर का आयोजन प्रात: 10 बजे से सायं 5 बजे तक किया जा रहा है।

परम सन्त महात्मा श्री यशपाल जी द्वारा संस्थापित अखिल भारतीय सन्तमत सत्संग (रजि०), दिल्ली द्वारा प्रकाशित सत्संग साहित्य एवं त्रैमासिक पत्रिका सन्त सुधा

सत्संग साहित्य :

1. आनन्द योग भाग 1	हिन्दी
2. आनन्द योग भाग 2	हिन्दी
3. Anand Yoga Vol. I	English
4. Anand Yoga Vol. II	English
5. साधन पद्धति	हिन्दी
6. अष्टावक्र गीता (अध्याय 1 से 5)	हिन्दी/Eng
7. श्री बृजमोहन वचनामृत भाग-1	हिन्दी
8. श्री बृजमोहन वचनामृत भाग-2	हिन्दी
9. श्री बृजमोहन वचनामृत भाग-3	हिन्दी
10. श्री बृजमोहन वचनामृत भाग-4	हिन्दी
11. श्री बृजमोहन वचनामृत भाग-5	हिन्दी
12. गीता सुधा (अध्याय 1 से 15)	हिन्दी/Eng..
13. संरक्षक के संदेश	हिन्दी
14. आत्म बोध दर्पण	हिन्दी
15. आत्म आहूति	हिन्दी
16. आत्म प्रकाश	हिन्दी
17. मज़हब और तहकीकात	हिन्दी
18. पत्र पुष्पांजलि भाग-1	हिन्दी
19. पत्र पुष्पांजलि भाग-2	हिन्दी
20. जीवन मुक्त अवस्था की ओर	हिन्दी
21. अनुपम नारी रत्न	हिन्दी
22. भजनावली	हिन्दी
23. डायरी के पृष्ठों से (Clippings from Diary	हिन्दी/Eng
24. साधन की पहली सीढ़ी	हिन्दी
25. साधन की दूसरी सीढ़ी	हिन्दी
26. Iti Marg Ki Sadhana	English
27. In Quest of Spiritualism Vol. I	English
28. In Quest of Spiritualism Vol. II	English

त्रैमासिक मुख पत्रिका : सन्त-सुधा

वार्षिक सदस्यता : 200/- रुपये

आजीवन सदस्यता : 2000/- रुपये (15 वर्षों के लिए)

शैक्षणिक संस्थाओं के लिए : 1000/- रु. (10 वर्षों के लिए).

नोट :- आगामी अन्य सत्संग कार्यक्रमों की सूचना, सत्संग साहित्य, त्रैमासिक पत्रिका सन्त सुधा, प्रवचनों की सीडी व डीवीडी प्राप्त करने के लिए सम्पर्क सूत्र : 98102-39677, 99684-89927

E-mail : dr_janardansingh@yahoo.com
info@abssatsang.org

अखिल भारतीय सन्तमत सत्संग (रजि०)

मुख्यालय :-

बी-20 सी०सी० कॉलोनी, राणा प्रताप बाग के सामने, दिल्ली - 110007

छप्पनवाँ वार्षिक भण्डारा आध्यात्मिक उत्सव

56th Annual Bhandara Spiritual Programme

18-21 अप्रैल (April), 2013

सत्संग स्थल (Satsang Venue):

सत्संग आश्रम, अनंगपुर, सूरजकुण्ड-
बड़खल लेक रोड, फरीदाबाद (हरियाणा)

[Satsang Ashram, Anangpur, Surajkund-Badkhal lake Road, Faridabad (Haryana)]

अधिक जानकारी के लिए
Website : www.abssatsang.com
E-mail : info@abssatsang.org

आनन्द योग - A Divine Science के ध्यान व योगाभ्यास के सिद्धान्तों के विवरण को पिछले आध्यात्मिक उत्सवों के कार्यक्रमों में टी.वी. चैनल 'साधना' पर प्रत्येक गुरुवार से रविवार प्रात: 7.50 से 8.10 बजे तक देखा जा सकता है।

अखिल भारतीय सत्संग का संक्षिप्त परिचय

परम सन्त महात्मा श्री यशपाल जी (पूज्य भाई साहब जी) द्वारा संस्थापित अखिल भारतीय सन्तमत सत्संग का आनन्द योग का पवित्र ज्ञान वही प्राचीन ब्रह्म-ज्ञान है जिसे महर्षि अष्टावक्र जी ने अपने प्रिय शिष्य राजा जनक को प्रदान कर आत्म-साक्षात्कार का दिव्य अनुभव करवाया और जनक चक्रवर्ती सम्राट होते हुए भी 'विदेह' कहलाये।

आज की आधुनिक जीवन शैली को देखते हुए हमारे सिलसिले के बुजुर्गों/सत्गुरुओं ने 'आनन्द योग' का विकास किया जिसमें गृहस्थ जीवन में रहते हुए आत्मिक आनन्द और सच्चा सुख प्राप्त हो। इस संस्था का मुख्य उद्देश्य आनन्द योग के सिद्धान्तों का जनमानस में ध्यान व चिन्तन (Concentration and Meditation) की सरल विधि बताना है। इति मार्ग-आनन्द योग एक ऐसी विधि है जिसको अपनाने से गृहस्थ जीवन का यापन करते हुए निरन्तर परमात्मा की याद बनी रहे और साथ-साथ गृहस्थ के सांसारिक कार्य आज से और अधिक सुन्दर हों और हमें इसी जीवन में सच्ची निष्काम-कर्मता व सच्चा आनन्द प्राप्त हो।

यह तरीका सभी धर्म, जाति एवं सम्प्रदाय के साधकों के लिए एक अद्‌भुत ईश्वरीय देन है। सच्चा आध्यात्मिक ज्ञान केवल समर्थ सत्गुरु के सान्निध्य द्वारा ही प्राप्त किया जा सकता है।

इस शृंखला में परम सन्त महात्मा रामचन्द्र जी महाराज, परम सन्त महात्मा रघुवर दयाल जी महाराज, परम सन्त महात्मा बृजमोहन लाल जी महाराज, परम सन्त महात्मा यशपाल जी महाराज, परम सन्त श्रीमती रूपवती जी (पूज्या माता जी) जैसे उच्चकोटि के सत्गुरु हुए। इन सन्तों ने गृहस्थ धर्म का शास्त्रानुसार पालन करते एवं स्वयं जीविकोपार्जन करते हुए अध्यात्म विद्या का प्रचार-प्रसार किया। वर्तमान में सत्संग के संरक्षक एवं इति मार्ग के पथ-प्रदर्शक परम सन्त महात्मा श्री सुरेश जी (परम पूज्य भैया जी) साधकों के मार्गदर्शन के लिए सदैव उपलब्ध रहते हैं और अहर्निश इसी कार्य में सतत संलग्न हैं।

आध्यात्मिक व सामाजिक उत्थान के उद्देश्य से सम्पूर्ण भारतवर्ष एवं विदेशों के लगभग एक हजार से अधिक केन्द्रों पर हर रविवार (प्रातः 9 से 11 बजे तक) एवं बृहस्पतिवार को (सायं 6.30 से 8 बजे तक) ध्यान-योगाभ्यास तत्पश्चात् साधना सम्बन्धी सत्संग साहित्य का पठन, श्रवण व मनन के कार्यक्रम का आयोजन होता है। इस आनन्द योग के इतिमार्ग के कार्यक्रमों में नियमित रूप से भाग लेने पर सच्चा आनन्द, सुषुप्ति, आध्यात्मिक चक्रों का जागरण, सहज समाधि, जीवन-मुक्त-अवस्था जैसे आध्यात्मिक अनुभव प्राप्त होते हैं।

वार्षिक आध्यात्मिक उत्सव

पूजनीय माताओ और बन्धुओ,

भगवान की असीम दया व कृपा से इस वर्ष भी रामनवमी के अवसर पर वीरवार, 18 अप्रैल से रविवार, 21 अप्रैल, 2013 तक परम सन्त महात्मा श्री यशपाल जी महाराज (पूज्य भाई साहब जी) एवं परम सन्त महात्मा श्रीमती रूपवती देवी (पूज्या माता जी) की याद में वार्षिक आध्यात्मिक उत्सव (वार्षिक भण्डारा) का आयोजन अखिल भारतीय सन्तमत सत्संग आश्रम अनंगपुर, जिला फरीदाबाद (हरियाणा) में किया जा रहा है।

आशा है कि सब सत्संगी भाई-बहन इस शुभ अवसर पर पधार सत्गुरुओं के आत्मिक फैज़ का लाभ उठायेंगे। यह सूचना समस्त सत्संगी भाइयों व बहनों को स्वयं भी देने की कृपा करें तथा अन्य सज्जन वृन्द, भक्तजनों को भी आमन्त्रित कर इस शुभ अवसर पर साथ लाएं।

सम्पर्क सूत्र :
09810239677, 09873300131, 09313063971

विनीत :
सुरेश

नोट : 1. फरीदाबाद रेलवे स्टेशन पर 17 व 18 अप्रैल, 2013 को स्वयं सेवक उपस्थित रहेंगे एवं परिवहन सुविधा उपलब्ध रहेगी।

2. दिल्ली की ओर से आने वाले भाई-बहनें बस लेकर अथवा केन्द्रीय सचिवालय-बदरपुर मेट्रो रेल द्वारा तुगलकाबाद मेट्रो स्टेशन पर उतरकर भूमिगत पैदल पार पथ (Sub way) पार कर आखिरी छोर से बाहर निकलकर तुगलकाबाद के स्टैण्ड से हरियाणा रोडवेज़ की सी॰एस॰-12 (CS-12) सिटी बस सेवा (जो सुरजकुण्ड और अनंगपुर होते हुए बल्लभगढ़ जाती है) लेकर अनंगपुर चौक पहुंच सकते हैं।

3. बदरपुर बॉर्डर से NHPC चौक (बुढ़िया नाला) पहुंचकर वहां से थ्री-व्हीलर द्वारा अनंगपुर आश्रम पहुंच सकते हैं।

4. बाहर से आने वाले भाई व बहन जो बल्लभगढ़ अथवा फरीदाबाद जंक्शन पर उतरते हैं, NIT फरीदाबाद से हरियाणा रोडवेज़ की सिटी बस सेवा सी॰एस॰-12 (CS-12) लेकर अनंगपुर चौक पहुंच सकते हैं।

कार्यक्रम

बुद्धवार, 17 अप्रैल, 2013

मीटिंग युवा मंडल 7 से 8 बजे सायं

अखण्ड शान्ति पाठ :- वीरवार, 18 अप्रैल, 2013 प्रातः 7 बजे से रविवार 21 अप्रैल, 2013 प्रातः 7 बजे तक।

इस पाठ में "ॐ शान्ति" मन्त्र का जाप जिह्वा से नहीं अपितु हृदय से (ख्याल की जुबान से) (Not by tongue but by thought) किया जाता है। इस जाप से साधकों को आन्तरिक शान्ति और अनुपम आनन्द का अनुभव होता है।

वीरवार 18 अप्रैल, 2013

प्रातः काल

05.30 से 06.00 बजे तक	रामधुन तथा प्रार्थना
09.00 से 10.00 बजे तक	ध्यान योगाभ्यास
10.00 से 11.00 बजे तक	सामूहिक शान्ति पाठ (दानों से)
12.00 से 01.00 बजे तक	ध्यान-योगाभ्यास के सिद्धान्तों पर प्रकाश

शुक्रवार एवं शनिवार, 19-20 अप्रैल, 2013

प्रातः काल

06.00 से 06.30 बजे तक	रामधुन तथा प्रार्थना
08.00 से 09.00 बजे तक	ध्यान योगाभ्यास
09.00 से 10.00 बजे तक	सामूहिक शान्ति पाठ (दानों से)
11.00 से 12.00 बजे तक	ध्यान-योगाभ्यास के सिद्धान्तों पर प्रकाश

अपराह्न 4 से 5 बजे तक

18 अप्रैल, 2013	कुरान शरीफ व मसनवी मौलाना रूम व मुसलमान संतों की कथायें
19 अप्रैल, 2013	भगवदगीता व भक्तों तथा सन्तों की कथायें
20 अप्रैल, 2013	रामचरित मानस व भक्तों तथा सन्तों की कथायें तत

वीरवार, शुक्रवार व शनिवार, 18, 19 व 20 अप्रैल, 2013

सायं काल

06.30 से 07.30 बजे तक	ध्यान योगाभ्यास
07.30 से 08.30 बजे तक	अपने सिलसिले के बुजुर्गों के जीवन पर प्रकाश
10.30 से 11.30 बजे तक	टोली चर्चा

(साधारण सभा-20 अप्रैल, 2013)

रविवार, 21 अप्रैल, 2013

प्रातः काल

05.00 से 05.30 बजे तक	रामधुन तथा प्रार्थना
06.00 से 07.00 बजे तक	सामूहिक शान्ति पाठ
07.00 से 08.00 बजे तक	श्रद्धांजलि (भजन)
08.00 से 08.30 बजे तक	प्रसाद वितरण

अपराह्न : 03.00 से 05.00 बजे तक : मीटिंग सत्संग संचालक एवं मार्ग निर्देशक बन्धुओं के साथ

सोमवार, 22 अप्रैल, 2013

प्रातः काल

09.00 बजे से	विदेश में रहने वाले सत्संगी बन्धुओं के साथ टेलीकॉन्फ्रेंसिंग

विशेष सूचना: (1) 20 अप्रैल, 2013 को कर्ण-छेदन व मुण्डन संस्कार अपराह्न 2.00 बजे से होगा।

(2) नामदान 21 व 22 अप्रैल, 2013 को सम्पन्न होगा। नामदान इच्छुक भाई 20 अप्रैल, 2013 तक 'बुक-स्टाल' पर सम्पर्क करें।